एलिवेटेड कॉरिडोर को लेकर बैठक बेनतीजा

▸ पीडब्ल्यूडी कुछ बिंदुओं पर सर्वे करेगा

नव भारत न्यूज

इंदौर. एलिवेटेड कॉरिडोर को लेकर आज हुई बैठक भी बेनतीजा रही. चर्चा में सिर्फ इतना तय हुआ है कि एलिवेटेड कॉरिडोर के रोटरी पॉइंट पर पीडब्ल्यूडी सर्वे करेगा, उसके बाद काम शुरू होगा. वैसे मुख्यमंत्री एलिवेटेड कॉरिडोर निर्माण करने की घोषणा कर चुके हैं.

एलिवेटेड कॉरिडोर को लेकर शहर के जनप्रतिनिधि और बुद्धिजीवियों के बैठा में कोई निर्णय नहीं निकला है, बैठक बेनतीजा रही और अगले हफ्ते निर्णय होगा. आज की बैठक अंतिम निर्णय के लिए रखी थी, लेकिन एलिवेटेड कॉरिडोर की एक रोटरी को लेकर सर्वे करने के निर्देश पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को दिए है. शहर के यातायात व्यवस्था सुगम बनाने के लिए शहर की जनप्रतिनिधि निर्णय नहीं ले पा रहे हैं. दूसरी ओर हाईकोर्ट लगातार अधिकारियों से बीआरटीएस सड़क पर अपडेट मांग रहा है. एबी रोड पर एलिवेटेड कॉरिडोर निर्माण की घोषणा कर चुके है. करीब 7 किलोमीटर लंबाई का कॉरिडोर बनाया जाना है, लेकिन तकनीकी पहलू और चौराहों पर यातायात प्रबंध को लेकर असमंजस में है कि कैसे काम करेंगे. एक तरफ कुछ लोग आईडीए के अलग-अलग ब्रिज निर्माण की बात करते हैं और एलिवेटेड का विरोध कर रहे हैं. हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी है. वहीं शासन स्तर पर मंत्री ने अभी कोई निर्णय नहीं लिया है, बस इतना कहा कि मुख्यमंत्री ने निर्माण का बोला है तो निर्माण होगा. बैठक में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक रमेश मेंदोला, महेंद्र हार्डिया, मधु वर्मा, कलेक्टर शिवम वर्मा, निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल, पीडब्ल्यूडी एसडीओ मनोज जैन, ब्रिज सेल प्रभारी गुरमीत कौर भाटिया, इंदौर उत्थान अभियान समिति अजीत सिंह नारंग, कटारिया, अतुल सेठ सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

सिक्स लेन और मेट्रो के प्रावधान की मांग

सूत्रों ने बताया कि एलिवेटेड कॉरिडोर पर चार लेन की जगह छह लेन करने के की मांग रखी गई. मौके पर 6 लेन के लिए जगह उपलब्ध नहीं है. इस बीच मेट्रो रेल की मांग और उसके लिए जगह रखने का प्रावधान भी किए जाने की बात रखी गई है. मुख्य बात आज की बैठक में यह रही कि एलिवेटेड कॉरिडोर पर एलआईजी, शिवाजी प्रतिमा और नवलखा पर रोटरी पॉइंट है, लेकिन पलासिया चौराहे पर रोटरी बनाने का प्रस्ताव किया है. उक्त प्रस्ताव के लिए पीडब्ल्यूडी विभाग को वाहनों के आवागमन का सर्वे करके रिपोर्ट देना है. इसके अलावा एलिवेटेड कॉरिडोर की भुजाओं की उपयोगिता कितनी सफल होगी या नहीं इसका आंकलन करने की चर्चा भी हुई. कहा जा सकता है कि एलिवेटेड कॉरिडोर को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है, लेकिन चर्चा यही है कि बनेगा।

मास्टर प्लॉन की सड़कों के लिए पैसा नहीं है निगम के पास

▸ सिर्फ 10 सड़कों का काम चल रहा, बाकी पैसा आने पर बनेगी

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में मास्टर प्लान की 23 अधूरी सड़कें बनाने का जिम्मा नगर निगम ने लिया है. शहर में फिलहाल 10 सड़कें नगर निगम बना रहा है और बाकी 13 सड़कों के लिए पैसा नहीं है. मास्टर प्लान के सड़कों के निर्माण के लिए कुल 1 हजार करोड़ से ज्यादा की लागत आंकी गई थी, जिसमें 468 करोड़ केंद्र सरकार द्वारा सहायता राशि और बाकी प्रदेश सरकार और निगम को वहन करना है.

शहर की 23 मास्टर प्लान सड़कों की निर्माण कार्य प्रगति को लेकर सिटी बस कार्यालय में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक हुई. बैठक में सड़कों की लंबाई-चौड़ाई, चौड़ीकरण में बाधक निर्माण, लाइन शिफ्टिंग और पेड़ों के स्थानांतरण पर बिंदुवार रिपोर्ट ली गई. सूत्रों ने बताया कि बैठक में नगर निगम 23 में से सिर्फ 10 सड़कों का निर्माण कर रहा है. बाकी 13 सड़कें बजट के अभाव में रुकी हुई है. बैठक में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी सड़कें निर्धारित समय सीमा में पूरी करना प्राथमिकता में शामिल करें. साथ ही भविष्य को ध्यान में रखकर हाई-केपेसिटी मानकों के अनुसार बनाई जाए. बैठक में विधायक रमेश मैन्दोला, मधु वर्मा, महेन्द्र हार्डिया, आयुक्त क्षितिज सिंघल, अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, अधीक्षण यंत्री नरेश जायसवाल, पी.एस. कुशवाह, पराग अग्रवाल सहित जनकार्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे.

ये हैं मास्टर प्लॉन की 23 सड़कें ...

- टीसीएस-एमआर-5 लिंक रोड
- एमआर-10-एमआर-12 लिंक रोड
- मच्छी बाजार-चन्द्रभागा पुल
- जिंसी चौराहा-लक्ष्मीबाई प्रतिमा
- नेमी नाथ चौराहा-जिंसी चौराहा
- सुभाष मार्ग गोल मंदिर-रामबाग पुल
- सांवेर रोड पेट्रोल पंप-शिवशक्ति नगर
- एयरपोर्ट रोड-एमआर-5 लिंक
- एमआर-5 बड़ा बांगड़दा-पीएमएवाय मल्टी
- भमोरी चौराहा-एमआर-10
- राजशाही गार्डन-होटल वॉव
- भागीरथपुरा मुख्य मार्ग
- एडवांस अकैडमी रिंग रोड
- एमआर-9 मालवीय नगर-एलआईजी लिंक
- वीर सावरकर प्रतिमा-अटल द्वार
- नेहरू प्रतिमा-छांवनी पुल
- एबी रोड जीपीओ-सरवटे बस स्टैंड
- जमजम चौराहा-स्टार चौराहा
- मुसाखेड़ी-सांवरिया धाम
- किला मैदान रोड-सदर बाजार
- कंडिलपुरा रोड-इंदौर वायर चौराहा
- रिंग रोड खजराना मंदिर द्वार जमजम
- होटल प्राइड बायपास-सिटी फॉरेस्ट
- आरई-2 जीआरपी लाइन-आरटीओ नायता मुंडला

भारतीय कुटुंब एक सामाजिक संरचना नहीं, संस्कारों की प्रयोगशाला

▸ युवा महोत्सव 2026 का द्वितीय दिवस

इंदौर. सत्र नियोजन युवा महोत्सव 2026 के अंतर्गत आयोजित तीन दिवसीय युवा महोत्सव के द्वितीय दिवस देवी अहिल्या विश्व विद्यालय के लक्ष्मीशिला परिसर, भवकुआं में वैचारिक ऊर्जा, राष्ट्रबोध और सांस्कृतिक चेतना से ओत-प्रोत वातावरण देखने को मिला. आओ मिलकर बढ़ें, श्रेष्ठ भारत गढ़ें के संकल्प वाक्य के साथ आयोजित इस महोत्सव में युवाओं की भारी सहभागिता रही.

द्वितीय दिवस के पहले सत्र में नेहा मित्तल एवं सोनल सिसोदिया ने भारतीय कुटुंब व्यवस्था की महत्ता पर विचार व्यक्त किए. नेहा मित्तल ने रोचक कथाओं के माध्यम से परिवार की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा- भारतीय कुटुंब केवल एक सामाजिक संरचना नहीं, बल्कि संस्कारों की प्रयोगशाला है. यहाँ त्याग, सह-अस्तित्व और जिम्मेदारी के संस्कार पीढ़ी-दर-पीढ़ी स्थानांतरित होते हैं. वहीं सोनल सिसोदिया ने कहा जब परिवार सशक्त होता है, तब समाज और राष्ट्र स्वतः सशक्त हो जाते हैं. हमारी सभ्यता की शक्ति हमारी मातृशक्ति और पारिवारिक संस्कारों में निहित है. द्वितीय सत्र में रजत जैन ने युवाओं को उद्यमिता की ओर अग्रसर होने का आह्वान करते हुए कहा 2047 का भारत केवल सरकारों से नहीं, बल्कि आज के युवाओं के चरित्र, कौशल और राष्ट्रनिष्ठा से बनेगा. युवा यदि जागरूक है, तो भारत अजेय है. आशुतोष ठाकुर ने आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को स्पष्ट करते हुए कहा रोज़गार मांगने वाला युवा नहीं, बल्कि रोज़गार देने वाला युवा ही भारत का भविष्य लिखेगा. वहीं सिद्धार्थ सिंह ने शिक्षा के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा शिक्षा का उद्देश्य केवल सूचना प्राप्त करना नहीं, अपितु व्यक्तित्व निर्माण करना है.

भारत भविष्य का मार्गदर्शक- दोपहर बाद आयोजित सत्र में मनोज श्रीवास्तव ने कहा भारत केवल अतीत की महिमा नहीं, बल्कि भविष्य का मार्गदर्शक भी है. वेद, उपनिषद और भारतीय दर्शन आज भी वैश्विक समस्याओं के समाधान प्रस्तुत करते हैं. दिवस के अंतिम वैचारिक सत्र में न्यायमूर्ति रोहित आर्य, संतोष सिंह जी एवं अनुभूति उपाध्याय ने भारत के समक्ष उपस्थित वैचारिक चुनौतियों पर अपने विचार रखे.

भावोदय मंच, सैन्य प्रदर्शनी और सांस्कृतिक संध्या आयोजित

पूरे दिन भावोदय प्रतिभाओं के मंच पर युवाओं ने विभिन्न विधाओं में अपनी प्रस्तुतियाँ दीं. भारतीय सेना द्वारा लगाई गई विशेष सैन्य आयुध प्रदर्शनी युवाओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रही. शाम को आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय कवि सम्मेलन ने पूरे दिन के वैचारिक मंथन को भावनात्मक ऊँचाई प्रदान की. देशभर से आए कवियों ने राष्ट्रभक्ति, संस्कृति और युवा चेतना पर प्रभावशाली काव्यपाठ किया.

विद्यार्थियों को कुछ पढ़ते रहना चाहिए : अतुल

इंदौर. न तो हमें बचपन को कभी भूलना चाहिए और न ही हम में बचपना आना चाहिए. यह शब्द मुन्नाभाई एमबीबीएस, द कश्मीर फाइल्स, लगे रहो मुन्ना भाई, बजरंगी भाईजान, स्त्री और कई अन्य हिंदी फ़िल्मों एवं वेब सीरीज़ के कैरेक्टर एक्टर अतुल श्रीवास्तव ने दृश्य श्रव्य शोध केंद्र (ईएमआरसी), देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के छात्रों को संबोधित करते हुए कहे. उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को कुछ न कुछ पढ़ते रहना चाहिए. छोटी-छोटी कहानियों से शुरुआत करके फिर उपन्यास भी पढ़ने चाहिए जिससे हमारी समझ भी विकसित होगी और हमारी सोचने की शक्ति भी बढ़ेगी. उन्होंने विद्यार्थियों को क्रिएटिविटी और कला के बारे में भी बताया. सत्र में कई तरह की मोटिवेशनल बातें बताई गई. कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उनसे कई सवाल भी किए, जिनके जवाब उन्होंने दिए. अतुलजी का स्वागत सौम्य रॉय, राजन देशमुख एवं डॉ नारायण पाटीदार ने किया. विभागाध्यक्ष डॉ चंदन गुप्ता ने आभार माना.

लाइव कॉन्सर्ट में गीतों पर झूमे स्टूडेंट्स

▸ संगीत, हंसी और रोमांच के साथ स्पंदन का समापन

इंदौर. श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय ने तीन दिवसीय टेक्नो-कल्चरल मैनेजमेंट फेस्ट स्पंदन 2026 बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया. महोत्सव के तीसरे दिन की शुरुआत भी संगीत, मस्ती और उत्साह के माहौल में हुई. शाम का कार्यक्रम प्लेबैक सिंगर एवं संगीतकार अखिल सचदेवा के लाइव कॉन्सर्ट के साथ बेहद शानदार रहा, जहाँ छात्रों और शिक्षकों ने उनके मधुर और ऊर्जावान गीतों पर खूब आनंद लिया.

दिन के अन्य मुख्य आकर्षणों में हास्य कवि सम्मेलन शामिल था, जिसमें कवि मुन्ना बैटरी और कवि राहुल शर्मा जैसे प्रमुख हास्य कवियों सहित अन्य कवियों ने अपनी प्रस्तुति से सभी को हँसी और मनोरंजन से भर दिया. इसके साथ ही आयोजित रोमांचक बाइक स्टंट शो ने भी दर्शकों का उत्साह चरम पर पहुँचा दिया. तीन दिवसीय यह महोत्सव ढेर सारे अनुभवों और यादगार पलों के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ. कुलाधिपति पुरुषोत्तम दास पासरी और कुलपति डॉ. योगेश गोस्वामी ने कहा कि ऐसे उत्सव विद्यार्थियों के लिए नए क्षितिज खोलते हैं तथा उनकी प्रतिभा, रचनात्मकता और सर्वांगीण विकास के लिए एक

उत्तर-दक्षिण भारत के शास्त्रीय संगीत का भावपूर्ण संगम

▸ 24वें गुणीजान संगीत समारोह का आयोजन

इंदौर. पंचम निषाद संगीत संस्थान इंदौर द्वारा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं संस्कृति संचालनालय, म.प्र. शासन के सहयोग से आयोजित 24वाँ गुणीजान संगीत समारोह का जाल ऑडिटोरियम में किया गया. यह समारोह महान गायकाचार्य एवं गुरु पं. सीआर व्यास को समर्पित रहा.

दो दिवसीय संगीत समारोह का शुभारंभ यति विनय सागर, पार्षद प्रशांत बडवे द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ. अतिथि स्वागत प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष अरविंद तिवारी, मिलिंद दिघे ने किया. इसके पश्चात पंचम निषाद संगीत संस्थान के 101 बाल कलाकारों ने पं. विष्णु दिगंबर पलुस्कर द्वारा रचित एवं स्वरबद्ध प्रार्थना 'जय जगदीश हरे' की सामूहिक प्रस्तुति दी. कार्यक्रम की दूसरी प्रस्तुति के रूप में कर्नाटक एवं हिंदुस्तानी संगीत की जुगलबंदी प्रस्तुत की गई, जिसमें विदुषी सुधा रघुरमन एवं विदुषी शोभा चौधरी ने शास्त्रीय संगीत का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया. संगत में बांसुरी पर जी. रघुरमन, पखावज/मृदंगम पर पार्थसारथी सुरेश, तबले पर संगीता अग्निहोत्री, हारमोनियम पर रवि किल्लेदार, तानपुरा पर केदार मोडक एवं गुणिता रिसबुड ने उत्कृष्ट संगति प्रदान की. इसके पश्चात हिंदुस्तानी पद्धति में राग धानी प्रस्तुत किया गया, जिसमें पं. सी.आर. व्यास की बंदिश 'ए मनवा तुम न जानो हो मेहमान दो दिन के' का प्रभावी गायन हुआ. कार्यक्रम के समापन चरण में विदुषी शोभा चौधरी ने कर्नाटक भजन 'मूर्तियने निल्लेसो माधव निन्न' तथा विदुषी सुधा रघुरमन ने हिंदी भजन 'पायो जी मैंने राम रतन धन पायो' प्रस्तुत कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया. समारोह में संगीत प्रेमियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही. कार्यक्रम ने उत्तर एवं दक्षिण भारतीय शास्त्रीय संगीत की परंपराओं, रागात्मक सौंदर्य और सांस्कृतिक एकता को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया. संचालन संस्कृतिकर्मी संजय पटेल ने किया. कार्यक्रम में शास्त्रीय गायिका कल्पना झोकरकर सहित बड़ी संख्या में रसिकजन उपस्थित थे.

एक नजर में

आगामी आईपीओ को लेकर एनएसई बोर्ड का फैसला

इंदौर. एनएसई ने अपने आईपीओ से जुड़े नियम और निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया है. इसके लिए एक विशेष आईपीओ समिति को दोबारा गठित किया गया है, जो लिस्टिंग की पूरी प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगी और उसकी निगरानी करेगी. पुनर्गठित आईपीओ समिति की संरचना इस प्रकार है- तबलेश पांडेय चेयरपर्सन नॉन इंडिपेंडेंट डायरेक्टर, श्रीनिवास इंजेती मेंबर पब्लिक इंटरेस्ट डायरेक्टर, प्रो. (डॉ.) ममता बिस्वाल मेंबर पब्लिक इंटरेस्ट डायरेक्टर, न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अभिलाषा कुमारी मेंबर पब्लिक इंटरेस्ट डायरेक्टर, प्रो. जी. शिवकुमार- मेंबर पब्लिक इंटरेस्ट डायरेक्टर, आशीष कुमार चौहान मेंबर मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ. एनएसई के बोर्ड ने नियामकीय मंजूरी के अधीन एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी की स्थापना को मंजूरी दी है, जिसके माध्यम से एक कोयला एक्सचेंज स्थापित किया जाएगा. प्रस्तावित सहायक कंपनी का नाम नेशनल कोल एक्सचेंज / भारत कोल एक्सचेंज / इंडिया कोल एक्सचेंज हो सकता है, जिसे मिनिस्ट्री ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स द्वारा स्वीकृति दी गई है. इस कंपनी का गठन कोयला मंत्रालय द्वारा जारी प्रस्तावित कोल रेगुलेशंस, 2025 के अनुरूप किया जाएगा। एनएसई ने प्रस्तावित कोयला एक्सचेंज की सहायक कंपनी में ?100 करोड़ तक की पूंजी निवेश को मंजूरी दी है.

संतोष अध्यक्ष, राठौर महामंत्री, पंचोली कोषाध्यक्ष

इंदौर. श्री पद्म वंशीय मारवाड़ी राठौर पंचायत गोपाल मंदिर ट्रस्ट, इंदौर रजिस्टर्ड में ट्रस्टियों ने बहुमत से अध्यक्ष संतोष राठौर को, महामंत्री लक्ष्मीनारायणजी राठौर व कोषाध्यक्ष महेश पंचोली को बनाया. ट्रस्ट संरक्षक ट्रस्टी राजकुमार राठौर के साथ ट्रस्टी सर्वश्री घनश्याम बाथरा, हरिकिरण बलौदिया, पवन राठौर सहित समाज के सैकड़ों सदस्यों ने बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की.